**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**06.03.2020 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1870 का उत्तर**

**देश में लंबित रेल परियोजनाएं**

**1870. श्री वाइकोः**

**श्री एम. शनमुगमः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या यह सच है कि देश में विशेषकर तमिलनाडु में पिछले पांच वर्षों से बड़ी संख्या में रेल परियोजनाएं लंबित हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी परियोजना-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त निधि प्रदान की जाएगी और इन्हें कब तक पूरा किया जाएगा?

**उत्तर**

**रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*

देश में लंबित रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 06.03.2020 को राज्‍य सभा में श्री वाइको और श्री एम. शनमुगम के अतारांकित प्रश्‍न सं. 1870 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण**।

(क) और (ख): इस समय, 49,069 कि.मी. लंबी, 6.75 लाख करोड़ रु. की लागत वाली 498 चालू रेल परियोजनाएं योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिसमें से मार्च 2019 तक 8,979 कि.मी. लंबाई पर यातायात चालू कर दिया गया है।

रेल परियोजनाओं को जोन-वार स्वीकृत किया जाता है, राज्य-वार नहीं क्योंकि भारतीय रेल का नेटवर्क विभिन्न राज्यों की सीमाओं के बाहर भी फैला हुआ है। उपर्युक्त 498 परियोजनाओं में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 2,519 किमी लंबाई की 22 रेल परियोजनाएं शामिल हैं जिनकी लागत 21,579 करोड़ रु. है। इनमें से, 730 कि.मी. लंबाई पर यातायात चालू कर दिया गया है।

रेल परियोजनाओं का परियोजना-वार ब्योरा भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् www.indianrailways.gov.in>Ministry of Railways>Railway Board>About Indian Railways>Railway Board Directorates>Finance (Budget) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

(ग): भारतीय रेल पर, 2014-19 के दौरान नई लाइन, दोहरीकरण और आमान परिवर्तन परियोजनाओं में औसत वार्षिक बजट व्यय 2009-14 के दौरान 11,527 करोड़ रु. प्रति वर्ष से बढ़कर 26,026 करोड़ रु. प्रति वर्ष हो गया है। इस प्रकार, 2014-19 के दौरान औसत बजट व्यय 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक व्यय से 126% अधिक है।

2019-20 के दौरान, नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए संशोधित अनुदान 38,803 करोड़ रु. है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट व्यय से 237% अधिक है। यह नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए अब तक का सबसे अधिक बजट अनुदान है।

बजट आबंटन (तमिलनाडु राज्‍य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली परियोजनाओं के लिए)

तमिलनाडु राज्‍य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन 2009-14 के दौरान 879 करोड़ रु. प्रति वर्ष से बढ़कर 2014-19 के दौरान 1979 करोड़ रु. प्रति वर्ष हो गया है। इस प्रकार, 2014-19 के दौरान औसत वार्षिक बजट आबंटन 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट आबंटन से 125% अधिक है।

तमिलनाडु राज्‍य में पूर्णत:/ अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए 2019-20 में कुल बजट आबंटन 2,410 करोड़ रु. है, जो 2009-14 के औसत बजट आबंटन (879 करोड़ रु. प्रति वर्ष) से 174% अधिक है।

तमिलनाडु राज्‍य में पूर्णत:/ अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए 2020-21 में प्रस्तावित परिव्यय 2,812 करोड़ रु. है, जो 2009-14 के औसत बजट आबंटन से 220% अधिक है।

किसी भी परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, बाधक जनोपयोगी सेवाओं (भूमिगत और भूमि के ऊपर दोनों) का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियों, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परस्थितियों के कारण परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, भूकंप, बाढ़, अत्यधिक वर्षा, श्रमिकों की हड़ताल जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना, माननीय न्यायालयों के आदेशों, कार्यरत एजेंसियों/ठेकेदारों की स्थिति और शर्तों आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना-दर-परियोजना और साइट-दर-साइट भिन्न-भिन्न होते हैं। अतः, इस चरण पर परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

\*\*\*\*\*\*